

B.A. 4th Semester (General) Examination, 2024 (CBCS)**Subject : Sanskrit****Course : SEC-2****Time: 2 Hours****Full Marks: 40***The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words
as far as applicable.*

পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ

প্রশ্নপত্রের Group-‘A’ Group-‘B’ চেতি বিভাগদ্বয় বর্ততে। আদৌ পরীক্ষার্থীঃ সাবধানতয়া স্বপঠিত একো বিভাগ
আবশ্যকরূপেণ করণীয়ঃ। ততঃপর প্রশ্নপত্রস্য নির্দেশানুসারেণ প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ।

(এই প্রশ্নপত্রে Group-‘A’ এবং Group-‘B’ দুটি বিভাগ বিদ্যমান। প্রথমতঃ পরীক্ষার্থীরা স্বপঠিত একটি বিভাগের
আবশ্যকরূপে উত্তর করবে। এরপর প্রশ্নপত্রের নির্দেশ অনুসারে প্রশ্নগুলোর সমাধান করবে।)

Group-‘A’

(Indian Theatre)

1. অধঃ প্রদত্তে প্রশ্নেষু পঞ্চ প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ। তেষু দ্বয়স্যোত্তরং সংস্কৃতভাষয়া কর্তব্যম্। 2×5=10

(নিম্নপ্রদত্ত প্রশ্নগুলোর মধ্যে পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটির উত্তর সংস্কৃতভাষায় লেখো।)

- एकाङ्कयुक्तस्य रूपकद्वयस्य नाम समुलिख्यताम्।
(दूटि एकाङ्क रूपकेर नाम लेखो।)
- नाटिकालक्षणं किम्?
(नाटिकालक्षण की?)
- आमुखं किम्?
(आमुख की?)
- साहित्यदर्पणस्य कः परिच्छेदः पाठ्यः? ग्रन्थोऽयं केन विरचितः?
(साहित्यदर्पणेर कोन परिच्छेदटि पाठ्य? ग्रन्थटि लेखक के?)
- बीजस्य लक्षणम् किं?
(बीजेर लक्षण की?)
- प्रकरणसंज्ञककाव्यद्वयस्य नाम लिख्यताम्।
(प्रकरण संज्ञक दूटि काव्येर नाम लेखो।)
- किं नाम भाणम्?
(‘भाग’ बलते की बोरो?)
- प्रासङ्गिकवस्तुनः किं प्रयोजनं नाट्ये?
(नाटके प्रासङ्गिकवस्तुन प्रयोजन की?)

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयस्य टीका संस्कृतभाषया प्रदेया।

5×2=10

(निम्नलिखित प्रश्नগুলোর মধ্যে দুটির টীকা সংস্কৃতভাষায় লেখো।)

- (a) नाटकलक्षणम्
(नाटकलक्षण)
- (b) नान्दी
(नान्दी)
- (c) भारतीवृत्तिः
(भारतीवृत्ति)
- (d) पताकास्थानकम्
(पताकास्थानक)

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु द्वयस्योत्तरं करणीयम्।

10×2=20

(निम्नलिखित प्रश्नগুলোর মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর করণীয়।)

- (a) कोऽभिनयः? तस्य भेदविषये युष्माकं पाठ्यमनुसृत्य व्याख्यायताम्।
(অভিনয় কী? তার ভেদ বিষয়ে তোমাদের পাঠ্য অনুসরণে ব্যাখ্যা করো।)
- (b) आचार्य विश्वनाथमतमनुसृत्य कार्यावस्था आलोच्यताम्।
(আচার্য বিশ্বনাথের মতানুসারে কার্যাবস্থা আলোচনা করো।)
- (c) सन्धिः कः? अस्य भेदत्रयं सोदाहरणं पाठ्यविषयमवलम्ब्य व्याख्यायताम्।
(সন্ধি কী? এর তিনটি ভেদ উদাহরণসহ পাঠ্যবিষয় অবলম্বনে ব্যাখ্যা করো।)
- (d) सोदाहरणं युष्माकं पाठ्यमनुसृत्य अर्थोपक्षेपकस्य भेदा आलोचनीयाः।
(উদাহরণসহ তোমাদের পাঠ্যাংশকে অনুসরণ করে অর্থোপক্ষেপকের ভেদ আলোচনা করো।)

Group- 'B'

(Basic Sanskrit)

1. अधः प्रदत्तेषु प्रश्नेषु पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः। तेषु द्वयस्योत्तरं संस्कृतभाषया कर्तव्यम्।

2×5=10

(নিম্নপ্রদত্ত প্রশ্নগুলোর মধ্যে পাঁচটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটির উত্তর সংস্কৃতভাষায় লেখো।)

- (a) अर्थशब्दस्य तृतीयायाः एकवचने तथा चतुर्थ्याः बहुवचने रूपद्वयं किम्?
(অর্থ শব্দের তৃতীয়ার একবচনে এবং চতুর্থীর বহুবচনে রূপ দুটি কী?)
- (b) दातृशब्दस्य प्रथमायास्तथा षष्ठ्याः एकवचने रूपद्वयं किम्?
(दातृ शब्देर प्रथमार एवं षष्ठीर एकवचने कीरूप?)
- (c) नदीशब्दस्य तृतीयायाः एकवचने तथा समम्याः बहुवचने रूपद्वयं किम्?
(नदी शब्देर तृतीयार एकवचने एवं सप्तमीर बहवचने रूप दुटि क्की?)
- (d) पञ्चशब्दस्य पुंलिङ्गे तथा क्लीबलिङ्गे प्रथमायाः रूपद्वयं किम्?
(पञ्चन् शब्देर पुंलिङ्गे एवं क्लीबलिङ्गे प्रथमार रूप दुटि क्की?)

(e) दृश-धातोः लङ्लकारे प्रथमपुरुषस्य सर्व रूपं किम्?

(दृश् धातुर लङ्लकारे प्रथमपुरुषेण सकल रूपानि की?)

(f) सेव्-धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषस्य सर्व रूपं किम्?

(सेव् धातुर लट्लकारे प्रथमपुरुषेण सकल रूपानि की?)

(g) ब्रह्मदत्तस्य माता ब्रह्मदत्तं प्रति किमुवाच?

(ब्रह्मदत्तेण माता ब्रह्मदत्तेण प्रति की बलेखिलेन?)

(h) 'यादृशी भावना यस्य सिद्धिर्भवति तादृशी'— श्लोकपादस्य कोऽर्थं कुतश्च संगृहीतः?

(‘यादृशी भावना यस्य सिद्धिर्भवति तादृशी’— श्लोकपादस्य की अर्थ एवञ्च कोथा थेके संगृहीत हयैछे?)

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयस्योत्तरं संस्कृतभाषया करणीयम्।

5×2=10

(निम्नलिखित प्रश्नशुलोर मध्ये ये कोनो दुट्टिर उतुतर संस्कृतभाषाय लेखो।)

(a) 'नर'शब्दस्य पञ्चम्यास्तथा षष्ठ्याः सकलवचनस्य सिद्धरूपं लिख्यताम्।

(नर शब्देण पञ्चमी एवञ्च षष्ठीर सकलवचनेण सिद्धरूपशुलो लेखो।)

(b) सर्वाषु विभक्तिषु एकशब्दस्य पुंलिङ्गे सर्वाणि रूपाणि लेख्यानि।

(एक शब्देण पुंलिङ्गे सकल विभक्तिर रूपशुलो लेखो।)

(c) धू-धातोः लोट्लकारस्य सिद्धरूपाणि लेख्यानि।

(‘धू’-धातुर लोट्लकारेण सिद्धरूपशुलो लेखो।)

(d) कृ-धातोः लृट्लकारस्य सिद्धरूपाणि लेख्यानि।

(‘कृ’-धातुर लृट्लकारेण सिद्धरूपशुलो लेखो।)

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु द्वयस्योत्तरं करणीयम्।

10×2=20

(निम्नलिखित प्रश्नशुलोर मध्ये दुट्टि प्रश्नेर उतुतर करणीय।)

(a) संस्कृतभाषया अनुवादः कायः।

(संस्कृत भाषाय अनुवाद करो।)

श्वदेशेर प्रति ऐकांतिक अनुरागेर विकाशै श्वदेशिकता। श्वदेशेर भाषाय, आहारे, आचारे, गाने वा नाचे ऐकांतिक आसक्तिश्चै श्वदेशिकतार निर्दशन। विदेशी भाषा वा नीति, विदेशीय धर्म वा पोशाक परिच्छद श्वदेशेप्रेमिकेर अतुतरे श्वान पाय ना। देशेप्रेमिकेर मन श्वदेशेर समुन्नतितेहै गर्बे विशेषतुवे उतुतुल्ल हय।

(b) 'स च प्रयोजनवशाद् ग्रामं प्रस्थितः'— इत्यनेन वचनेन किमुक्तं लेखकेन? युष्माकं पाठ्यमनुसृत्य ब्रह्मदत्तकर्कटकथायाः तात्पर्यं संक्षेपेण विव्रियताम्।

('स च प्रयोजनवशाद् ग्रामं प्रस्थितः' — এই বচনের মাধ্যমে লেখক কি বলতে চেয়েছেন? তোমাদের পাঠ্যাংশের অনুসরণে ব্রহ্মদত্তকর্কটকথার তাৎপর্য সংক্ষেপে ব্যাখ্যা করো।)

(c) बङ्गभाषया अनुवादः कार्यः।

(বঙ্গভাষায় অনুবাদ করো।)

जन्मनः पश्चात् शकुन्तलां जननी एकस्मिन् गहनारण्ये परित्यक्तवती। महर्षिः कण्वः तां तत्र दृष्टवान्। वात्सल्यवशात् स ताम् आश्रमं नीतवान्। तस्मिन् आश्रमे अनसूया प्रियंवदा च इति द्वे कन्यके आस्ताम्। इमाः तिस्रः बालिकाः दिवसं यावत् मालिनी इति तटिनीतीरे मृगमयूरादिभिः सह क्रीडन्ति स्म।

(d) पूर्वशब्दस्य क्लीवलिङ्गे विद्यमानानि सर्वाणि रूपाणि समुल्लेख्यानि।

(পূর্ব শব্দের ক্লীবলিঙ্গের বিদ্যমান রূপসমূহ উল্লেখ করো।)